बाल भारती पब्लिक स्कूल ,पीतमपुरा

अधिन्यासपत्र कक्षा - तीसरी

विषय – हिंदी उपविषय – पापा की सुंदर गेंद

नाम ---------- कक्षा- 3 ------ दिनांक- १४.०४.२०२०

2

पापा की सुंदर गेंद

पाठ-प्रवेश

- बच्चो, हमें कभी भी अपनी किसी सुंदर वस्तु को लेकर घमंड और लालच नहीं करना चाहिए क्योंकि इसका फल अच्छा नहीं होता।
- तो आइए, इसी बात से जुड़ी एक कहानी पढ़ते हैं।

पापा जब बहुत ही छोटे थे और पाव्लोवो-पोसाद नामक छोटे से शहर में रहते थे, एक बार उनके माता-पिता ने उन्हें एक सुंदर, बड़ी गेंद दी। गेंद बिलकुल सूरज जैसी थी, बल्कि सूरज से भी अच्छी थी। उसकी तरफ़ एकटक देखा जा सकता था और सूरज से तो वह चार गुनी सुंदर थी क्योंकि वह चार अलग-अलग रंगों की थी। सूरज तो एक ही रंग का है, सो भी कहा नहीं जा सकता कि वह कौन-सा है।

पाठ का उद्देश्य - **मित्रता, मिलजुल कर खेलना, घमंड न करना जैसे मूल्यों का विकास करना।**

पाठ से मिलने वाला संदेश- **इस कहानी में बताया गया है कि हमें कभी घमंड और लालच नहीं करना चाहिए।**

अब आपकी बारी

1) पाठ का ऊँचे स्वर में पठन करें।

2) अपनी पसंद के पाँच खिलौनों के नाम लिखिए और किसी एक का चित्र बनाइए।

LIFESKILL ACTIVITY

Think of a creative way for laying the table for lunch today. Take a picture of the same and share it with your friends and you can also share this with your class teacher.